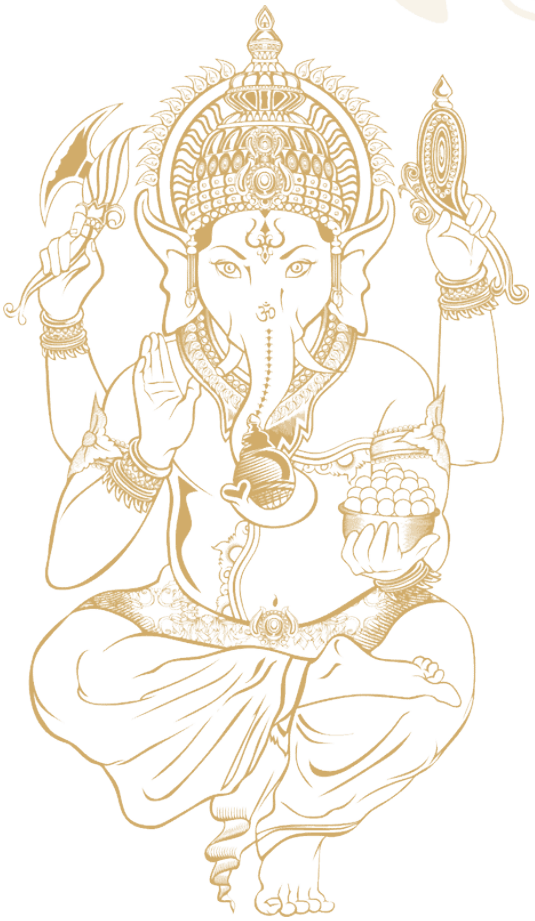

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/03/2000	जन्म तिथि	27/08/2000
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 08:50:00	जन्म समय	11:56:00 घंटे
घटी 05:28:10	जन्म समय(घटी)	13:59:55 घटी
India	देश	India
Ahmedabad	स्थान	Hyderabad
23:03:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
72:40:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:39:20	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:43	सूर्योदय	06:01:41
18:52:10	सूर्यास्त	18:33:23
23:51:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:43

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 10वर्ष 2मा 15दि		21:21:53	मेष	लग्न	वृश्चिक	02:50:26	**शनि 8वर्ष 8मा 20दि**	
बुध		10:55:37	मीन	सूर्य	सिंह	10:25:28	**बुध**	
10/06/2010		09:30:06	वृश्चिक	चंद्र	कर्क	10:32:46	**18/05/2009**	
10/06/2027		07:40:15	मेष	मंगल	कर्क	22:58:44	**18/05/2026**	
बुध	06/11/2012	13:27:41	कुंभ	बुध	सिंह	15:31:14	बुध	14/10/2011
केतु	03/11/2013	13:47:31	मेष	गुरु	वृष	15:36:04	केतु	11/10/2012
शुक्र	03/09/2016	20:32:27	कुंभ	शुक्र	कन्या	01:22:22	शुक्र	11/08/2015
सूर्य	10/07/2017	20:52:42	मेष	शनि	वृष	06:52:51	सूर्य	17/06/2016
चन्द्र	10/12/2018	07:30:44	कर्क व	राहु व	कर्क	00:14:02	चन्द्र	16/11/2017
मंगल	07/12/2019	07:30:44	मक व	केतु व	मक	00:14:02	मंगल	14/11/2018
राहु	25/06/2022	25:30:29	मक	हर्ष व	मक	24:21:19	राहु	02/06/2021
गुरु	30/09/2024	12:11:17	मक	नेप व	मक	10:32:23	गुरु	08/09/2023
शनि	10/06/2027	19:01:11	वृश्चिक व	प्लूटो	वृश्चिक	16:18:04	शनि	18/05/2026

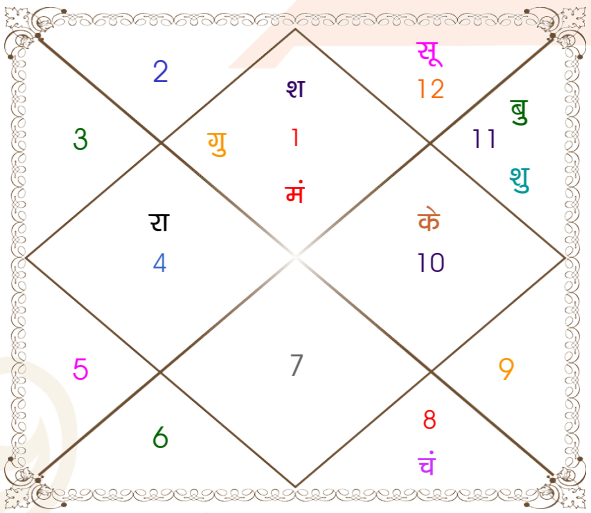

लग्न-चलित

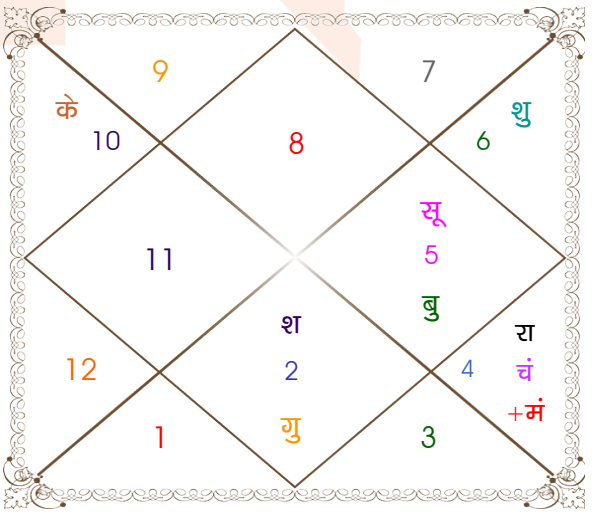

लग्न-चलित

Pandit Chidamber Mishra
9246159232

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र पुष्य है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।